विश्व हिन्दू परिषद के केन्द्रीय मंत्री श्री मोहन जोशी का प्रेस वक्तव्य

मुम्बई २८ मई २०१० को विश्व हिन्दू परिषद के केन्द्रीय मंत्री श्री मोहन जोशी ने पत्रकार गोष्ठी को सम्बोधित करते हुये कहा कि देश में ईसाई संस्थाओं द्वारा संचालित सैकड़ों छात्रावासों, अनाथाश्रमों, चिल्ड्रन्स होम आदि में हजारों बच्चों के साथ दुराचार, अत्याचार एवं बच्चों की बिक्री की अनेक घटनायें गत् कुछ वर्षों में हुई है। जिनको भारत की विभिन्न भाषाओं के समाचार पत्रों ने प्रकाशित किया है। इसी वर्ष में मणिपुर, असम, अरूणाचंल, मेघालय आदि उत्तर पूर्वाचंल के राज्यों से जो १०० से अधिक बच्चे अच्छी शिक्षा के नाम पर तमिलनाडु, केरल तथा कर्नाटक आदि राज्यों से अवैध रूप से लाये गये हैं। इन बच्चों के साथ सब प्रकार के कुकृत्य एवं अमानवीय व्यवहार की घटनाओं के सम्बन्ध में अंग्रेजी के टाइम्स ऑफ इंडिया, सेन्टीनल-गोवाहाटी आदि अनेक समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों के सम्बन्ध में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ३१ मार्च २०१० को इन अवैध तरीकों से लाये गये बच्चों के उत्पीड़न की जांच हेतु सम्बन्धित सरकारों को आदेश दिया है। जो १ अप्रेल २०१० के समाचार पत्रों में भी प्रकाशित हुआ है। यह बड़ा गम्भीर मामला है।

श्री जोशी ने प्रधानमंत्री से मांग की है कि इस सम्बन्ध में सर्वोच्च न्यायालय के कम से कम तीन भूतपूर्व न्यायाधीशों का संयुक्त आयोग गठित करके सम्पूर्ण देश की ऐसे अवैध कार्यों में लिप्त ईसाई संस्थाओं और उनके संचालकों की उच्च स्तरीय जाचं शीघ्र करवायी जाय। और जो दोषी पाये जायं उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाय।

श्री जोशी ने कहा कि महाराष्ट्र, झारखण्ड, पश्चिमी बंगाल, उड़ीसा, दिल्ली आदि राज्यों में भी ऐसी सैकड़ों घटनायें होती रही है। कुछ वर्ष पूर्व कर्नाटक, आन्ध्र, तथा केरल में भी बच्चों की बिक्री तथा उनके साथ दुराचार की घटनायें प्रकाश में आयी थी। जिनके सम्बन्ध में राज्य सरकारों द्वारा जांच की गयी थी। उसमें जो संस्थायें और व्यक्ति अपराधी पाये गये थे उसके सम्बन्ध में जो कार्यवाही की गयी है वह सार्वजनिक रूप से अभी तक प्रकाशित नहीं की गयी है। शीघ्र ही वे जनता के सामने प्रकाश में आनी चाहिए।

वर्तमान में अमेरिका, इंगलैण्ड, इटली, जर्मनी आदि देशों में चर्च के पादरियों द्वारा चर्च के अन्दर एवं उनके द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाओं में बच्चों के साथ की गयी हजारों यौनाचार की घटनायें समाचार पत्रों में प्रकाशित हुयी है। हजारों बच्चों और महिलाओं को उनके द्वारा उत्पीड़ित किया गया है। उन्होंने लिखित एवं संचार माध्यमों

से वेटिकन के अधिकारियों एवं पोप के पास शिकायतें भेजी हैं। ऐसी सैकड़ों घटनायें भारत में भी लगातार हो रही है। उनके सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार तथा राज्य सरकारों को शीघ्र जांच करनी चाहिए। श्री जोशी ने ऐसी घटनाओं की घोर निन्दा की और आम जनता से अपील की है कि दुराचार एवं अनियमितताओं में लिप्त ऐसी संस्थाओं का बहिष्कार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि **ऐसी अनेक संस्थाओं को केन्द्रीय एवं राज्य सरकारों द्वारा अनुदान दिया जा रहा है। उसे पूर्णतः बन्द करना चाहिए।**

ऐसी संस्थाओं को विदेशों से भी भारी मात्रा में धन प्राप्त हो रहा है। इसकी जांच करके इन संस्थाओं को दी जाने वाली विदेशी सहायता पर गृह मत्रालय द्वारा रोक लगानी चाहिए।

गत् ६-७ वर्षों में देश में आतंकवाद भारी हिंसा एवं अपराधों की संगीन घटनायें तेजी से बढ़ रही हैं। पाकिस्तान प्रेरित मुस्लिम आतंकवाद,कश्मीर की सीमायें लाँघकर सम्पूर्ण देश में पहुँच गया है।

असम, नागालैण्ड, मिजोरम, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, आदि उत्तर पूर्वांचल के राज्यों में ईसाई कट्टरपंथियों द्वारा होने वाली हिंसक राष्ट्र विरोधी घटनाओं ने देश की सुरक्षा के लिए गम्भीर खतरा पैदा कर दिया है। श्रीमती सोनिया गांधी के नियंत्रण में चलने वाली श्री मनमोहन सिंह जी की कठपुतली सरकार, इन हिंसक घटनाओं और आतंकवादियों के खिलाफ वोट बैंक की घिनोनी तुष्टीकरण की राजनीति के कारण देश हित में कोई कठोर कदम नहीं उठा रही है। देश की आम जनता का जीवन और सम्पत्ति आज सुरक्षित नहीं है। इस कमजोर केन्द्रीय सरकार ने देश की सत्ता में बने रहने का नैतिक अधिकार खो दिया है। इस समय देश के सभी राष्ट्रवादी दलों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आम जनता की सुरक्षा और समाज में सद्भाव निर्माण करने के लिए एक जुट होना आवश्यक है।

विश्व हिन्दू परिषद समस्त जनता से अपील करता है कि निहित स्वार्थों पर आधारित ढुलमुल केन्द्रीय सरकार को उखाड़ फेकने के लिए पुरजोर आवाज उठाये। विश्व हिन्दू परिषद ने देश की सुरक्षा और शांति कायम करने के लिए पूरी शक्ति से कार्य करने का निर्णय किया है।